

## भारतीय नौसेना ने कथिा औपनविशकि वरिसत का त्याग

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

हाल ही में **भारतीय नौसेना** ने पारंपरिक नौसैनिकि प्रतीकों का नाम परिवर्तित करके ध्वज पेश किये हैं, यह उनके द्वारा ब्रिटिश औपनविशकि वरिसत को समाप्त करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

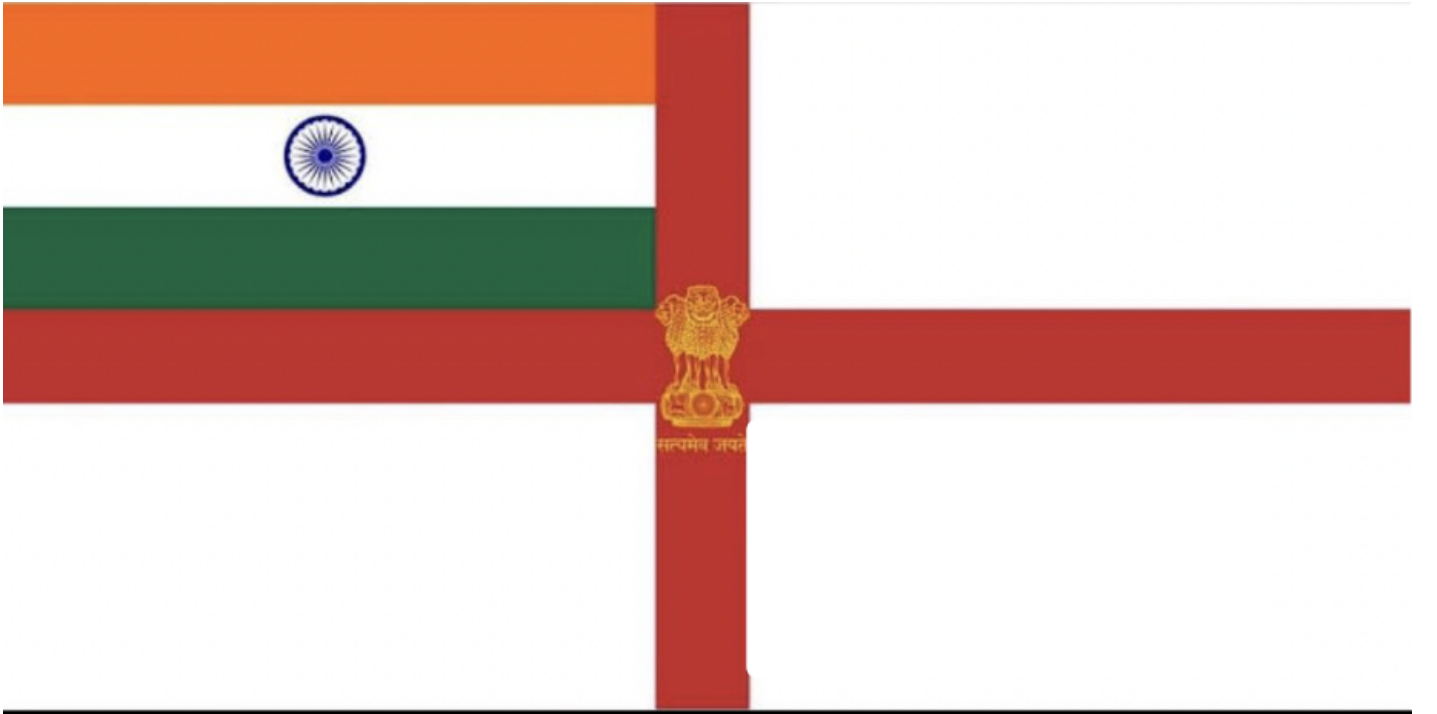
- यह परिवर्तन राष्ट्रीय वरिसत और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिये अपनी नौसैनिकि पहचान को पुनः परिभाषित करने हेतु भारत के प्रयासों को रेखांकित करता है।

### नामकरण में हालिया परिवर्तन क्या हैं?

- **नया नामकरण:** स्वदेशीकरण और राष्ट्रीय गौरव को प्रतिबिंबित करने के लिये, भारतीय नौसेना ने 'जैक' का नाम बदलकर '**राष्ट्रीय ध्वज**' और 'जैकस्टाफ' का नाम बदलकर '**राष्ट्रीय ध्वज स्टाफ**' कर दिया है।
- **पुराने नियम और उनकी उत्पत्ति:** 'जैक' और 'जैकस्टाफ' शब्द ब्रिटिश नौसैनिकि इतिहास में गहनता से नहित हैं और ब्रिटिश नौसैनिकि प्रथाओं के अवशेष के रूप में भारत समेत विश्व भर की नौसेनाओं द्वारा अपनाए गए हैं।
  - 'जैक' आमतौर पर एक ध्वज को संदर्भित करता है, जबकि 'जैकस्टाफ' एक छोटा स्तंभ है जिससे झंडे को फहराया जाता है, जो जहाज़ के एक वतान (Bow Of a Ship) पर स्थित होता है।
- **नियामक ढाँचा और वैधानिकि संशोधन:** नामकरण में परिवर्तन को **नौसेना अधिनियम 1957** द्वारा परिभाषित शक्तियों का लाभ उठाते हुए "नौसेना के विनियम (औपचारिकि, शर्तें और सेवा एवं विधि विनियमन) 1963" में संशोधन के माध्यम से औपचारिकि रूप दिया गया था।

### सशस्त्र बलों में अन्य प्रतीकात्मक परिवर्तन:

- **नौसेना के ध्वज में परिवर्तन:** सितंबर 2022 में भारतीय नौसेना ने ब्रिटिश-प्रेरित (British-Inspired) जॉर्ज क्रॉस को हटाकर एक **नवीन नौसैनिकि ध्वज** अपनाया, जिसमें जुड़वाँ सुनहरा बॉर्डर वाला एक नीला अष्टकोण, राष्ट्रीय प्रतीक और आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' शामिल है।
  - यह ध्वज **शुवाजी महाराज की मुहर** से प्रेरित है, जो सभी आठ दशाओं (चार कार्डिनल और चार इंटरकार्डिनल) में नौसेना की पहुँच का प्रतीक है।

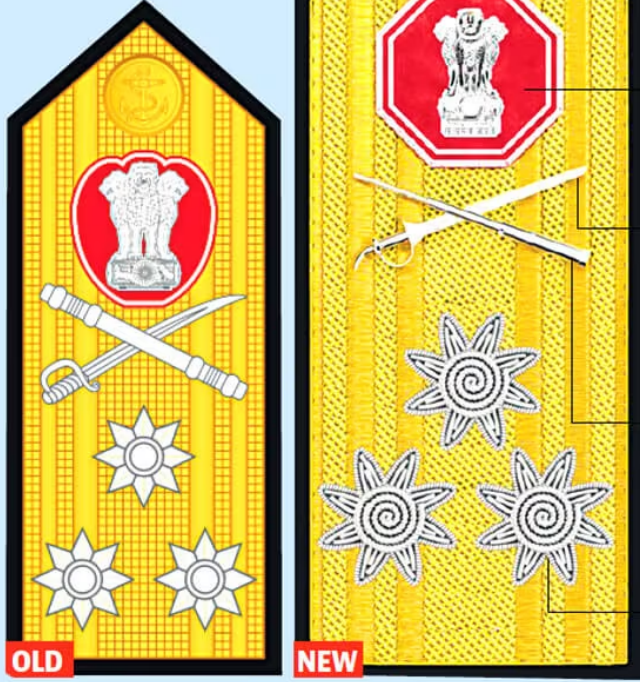


//

- नौसेना अधिकारियों के एपॉलेट (Epaulette) में बदलाव: भारतीय नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरित नवीन वरषिठ अधिकारियों के एपॉलेट का भी अनावरण किया है, जो औपनिवेशिक वरिसत से एक वरिम और भारतीय समुद्री वरिसत के उत्सव का प्रतीक है, जिसमें नौसेना प्रमुख, वाइस एडमरिल तथा रियर एडमरिल के लिये वरिगित डज़ाइन से आलावा भी पाँच अन्य संशोधन किये गए हैं।

# Decoding the new epaulette

The new epaulettes, to be worn by the navy chief, vice admirals and rear admirals, from January 1, 2024, have five modifications over the previous ones



- 1 GOLDEN BUTTON**  
The golden navy button on the epaulettes no longer features the foul anchor with the nautical rope, associated with the colonial era, and the design has introduced a clear anchor
- 2 SHIVAJI'S SEAL**  
Navy has discarded the Crown-inspired red background on which the national emblem sits and replaced it with an octagon derived from Shivaji's seal
- 3 INDIAN SWORD**  
The generic sword has been replaced by a straight double-edged sword of Indian origin, akin to the Khanda used by Rajput warriors
- 4 TELESCOPE**  
The baton (a symbol of authority) has given way to a telescope symbolising "long-term vision and foresight"
- 5 STARS**  
The new style of stars on the epaulettes has no particular significance other than increasing aesthetic appeal

- **मेस में नया ड्रेस कोड:** भारतीय नौसेना ने नौसेना की मेस में कर्ता-पायजामा की शुरुआत करके अपनी वरिष्ठता को अपनाया है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी पारंपरिक पोशाक पहनने वाले पहले लोग हैं।
- **भारतीय सेना में बदलाव:** भारतीय सेना ने कार्यक्रमों, सेवानिवृत्ति समारोहों में घोड़ा-बगघी और रात्रिभोज में पाइप बैंड जैसी पारंपरिक प्रथाओं को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शुरू कर दिया है।
- **महत्त्व:**
  - नौसैनिक प्रतीकों का नाम परिवर्तित करना तथा उनको पुनः डिजाइन करना औपनिवेशिक संबंधों से दूरी और भारतीय संप्रभुता एवं समुद्री वरिष्ठता को पुनः स्थापित करने, दोनों का संकेत देता है।
  - ये उपक्रम आज़ादी के 100वें वर्ष तक देश के विकास के लिये भारत के प्रधानमंत्री की "पंच प्राण" परतजिज्ञा के अनुरूप हैं।

## राष्ट्रीय ध्वज:

- भारतीय राष्ट्र तरंगे के डिजाइन का श्रेय काफी हद तक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी **पिंगली वेंकैया (Pingali Venkayya)** को दिया जाता है।
- भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज संभवतः **7 अगस्त, 1906** को कोलकाता में पारसी बागान स्कवायर (ग्रीन पार्क) में फहराया गया था।
- राष्ट्रीय ध्वज आयताकार आकार में होना चाहिये जिसकी लंबाई व चौड़ाई क्रमशः **3:2 के अनुपात में होनी चाहिये।**
- **अनुच्छेद 51 A (a)** के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे तथा उसके आदर्शों, संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे।
- एक व्यक्ति जो **राष्ट्रीय गौरव अपमान नविरण अधिनियम, 1971** के तहत वर्णित नमिनलखित अपराधों के लिये दोषी पाया जाता है, उसे **6 वर्ष तक** के लिये संसद एवं राज्य विधानमंडल के चुनावों में लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया जाता है। इन अपराधों में शामिल हैं-
  - राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना।
  - भारत के संविधान का अपमान करना।
  - राष्ट्रगान गाने से रोकना या मना करना।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. भारत की ध्वज-संहिता, 2002 के अनुसार, भारत के राष्ट्रीय ध्वज के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2023)

कथन-I: भारत के राष्ट्रीय ध्वज का एक मानक आमाप 600 म.मी. × 400 म.मी. है।

कथन-II: ध्वज की लंबाई से ऊँचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3 : 2 होगा।

उपर्युक्त कथनों के बारे में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II सही नहीं है
- (d) कथन-I सही नहीं है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: (d)

प्रश्न. सीमा प्रबंधन विभाग निम्नलिखित में से किस केंद्रीय मंत्रालय का एक विभाग है? (2008)

- (a) रक्षा मंत्रालय
- (b) गृह मंत्रालय
- (c) नौवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
- (d) पर्यावरण और वन मंत्रालय

उत्तर: (b)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/indian-navy-sheds-colonial-legacy>

